Absolute Inuth Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



Seminars in the month of February and March

The month of February was a wonderful time of several seminars being organised in the temple. H.G. Bhurijana Prabhu instructed an audience of two hundred devotees for four days on 'One Story- Four Truths'. Taking lessons from the life of Narada Muni, he discussed various aspects of developing an introspective mood in devotional life.



A Srila Prabhupada disciple, H.G. Sukhavaha Mataji conducted a seminar in ISKCON, East of Kailash auditorium on "Die before Dying". Attended by many devotees, this seminar discussed the ways, means and significance of developing detachment from body, designations and other material aspects before we leave the present body. Emphasising on the importance of this preparation she explicated through introspective activities, how devotees must be mindful of engaging their energy and time into developing love for Krishna, rather than any other activity. Prior to this, a session for Vaishnavis on "Deepening Compassion-Deepening Relationships" was also conducted.

This month also saw the seminar by H.G. Shyamasundara Prabhu where he released the second volume of his book titled "Chasing Rhinos with the Swami". His visit to Delhi consisted of his visiting different temples in Delhi-NCR to release his book. A two-day grihastha counselling seminar by



🌳 फरवरी और मार्च के महीने में सेमिनार

फरवरी का समय मंदिर में आयोजित होने वाले कई सेमिनारों का एक अद्भुत महीना था। श्रीमान भूरिजन प्रभु ने दो सौ भक्तों को चार दिनों तक 'एक कथानक – चार सत्य' पर आधारित निर्देश दिए। नारद मुनि के जीवन से सबक लेते हुए, उन्होंने भक्तिमय जीवन में आत्मनिरीक्षण एवं मनोदशा के विकास के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।





a senior devotee H.G. Akrura Prabhu was also organised by the temple. The ISKCON Disciple Course was also organised from March 13-15. Many aspiring devotees attended this. This month turned out to be filled with nectarean hearing opportunities and almost felt like a prolonged Sravanam mela.

Srila Prabhupada Honoured during 12th Asiad Literature Festival (23rd Feb) (ISKCON, Rohini)

Srila Prabhupada's books had already taken him to the international recognition even at the time when he was present. His books have been widely read since the mid of 1960's & have created thousands of devotees. Even today, book distribution is considered as the best sankirtan & always stressed upon by the acharayas. What was done in the night hours lighted & is still lighting the darkened souls. The festival took place at India International Centre. An interfaith dialogue was also a part of the festival. H.G. Keshav Murari Prabhu, temple president, ISKCON Rohini was one of the dignitaries who graced the occasion with his gracious presence and also received the literary excellence award on behalf of Srila Prabhupada.



Gaura Purnima festival in Mayapur (18th February – 11th March)

"Wandering in Navadvipa is the best of all opulence, the best of all religious principles, the best of all kinds of worship, the best of all perfections, the best of all glories, श्रील प्रभुपाद जी की एक शिष्या, श्रीमती सुखवाह माताजी ने इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश के सभागार में 'मरण से पूर्व मृत्यु' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें कई भक्तों द्वारा भाग लिया गया, इस संगोष्ठी में वर्तमान शरीर छोड़ने से पहले शरीर, पदनाम एवं अन्य भौतिक पहलुओं से अपने आप को अलग करने के महत्व, साधनों और तरीकों पर चर्चा की गई। इस तैयारी के महत्व पर जोर देते हुए भक्तों ने आत्मनिरीक्षण की गतिविधियों के माध्यम से पता लगाया कि भक्तों को किसी भी अन्य गतिविधियों के माध्यम से पता लगाया कि भक्तों को किसी भी अन्य गतिविधि के बजाय कृष्ण के प्रति प्रेम को विकसित करने में अपने उत्साह और समय को लगाने हेतु किस प्रकार सावधान रहना चाहिए। इससे पहले, वैष्णवियों हेतु 'गहन दया – प्रगाढ़ संबंध' विषय पर भी एक सत्र आयोजित किया गया था।

इस महीने में श्रीमान श्याम सुंदर प्रभु जी द्वारा भी संगोष्ठी रखी गई जहाँ उन्होंने अपनी पुस्तक "चेसिंग राइनो विथ स्वामी' के द्वत्तीय खंड का विमोचन किया। उनकी दिल्ली यात्रा में दिल्ली—एनसीआर के विभिन्न मंदिरों में उनकी पुस्तक का विमोचन शामिल था। मंदिर द्वारा एक वरिष्ठ भक्त श्रीमान अक्रूर प्रभु द्वारा दो दिवसीय गृहस्थ परामर्श संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। 13–15 मार्च तक इस्कॉन शिष्य पाठ्यक्रम भी आयोजित किया गया था। कई आकांक्षी भक्त इसमें शामिल हुए। यह महीना अमृतमयी प्रवचनों हेतु सुअवसरों से भरा हुआ आया और लंबे समय तक बिलकुल श्रवणमेला की तरह अनुभव किया गया।

12वें एशियाड लिटरेचर फेस्टिवल में श्रील प्रभुपाद का सम्मान (23 फरवरी) (इस्कॉन, रोहिणी)

श्रील प्रभुपाद की पुस्तकें पहले से ही उनकी उपस्तिथि के समय में ही उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला चुकी थीं। उनकी पुस्तकों को व्यापक रूप से 1960 के दशक के मध्य से पढ़ा गया, जिसको पढ़कर हजारों भक्त बने। आज भी, पुस्तक वितरण को सर्वश्रेष्ठ संकीर्तन माना जाता है और हमेशा आचार्यों द्वारा इस पर जोर दिया जाता है। रात में घंटों जागकर जो कुछ भी लिखा गया वो आज भी कई घोर अन्धकार में सुप्त आत्माओं को प्रदीप्त कर रहा है। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में यह फेस्टिवल आयोजित हुआ। एक अंतर— धार्मिक संवाद भी फेस्टिवल का हिस्सा था। श्रीमान केशव मुरारी प्रभु, इस्कॉन रोहिणी मंदिर के अध्यक्ष, गणमान्य अतिथियों में से एक रहे, जिन्होंने इस अवसर पर अपनी गरिमामयि उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई एवं श्रील प्रभुपाद की ओर से साहित्यिक उत्कृष्टता पुरस्कार भी प्राप्त किया।

🌳 मायापुर में गौर पूर्णिमा उत्सव (18 फरवरी – 11 मार्च)

'न ही सभी ऐश्वर्यों से ही श्रेष्ठ है बल्कि सभी धार्मिक सिद्धांतों में श्रेष्ठ है, सभी प्रकार की पूजा से उत्तम है, सभी सिद्धियों से श्रेष्ठ है, सभी प्रकार की श्रेष्ठताओं और मधुर रसों के सभी महासागरों से भी श्रेष्ठ है नवद्वीप धाम में विचरण करना'

वार्षिक नवद्वीप मंडल परिक्रमा 26 फरवरी से शुरू हुई। दुनिया भर के भक्तों ने बड़ी संख्या में नवद्वीप की पवित्र भूमि की यात्रा की। कुछ लोगों ने परमानंद दायक कीर्तन मेला में भाग लिया। पंच–तत्त्व और श्री श्री राधा माधव की प्रसन्नता हेतु उन्हें अपनी भेंटें अर्पित करने को दूनिया भर से कीर्तनियों ने श्री मायापुर धाम में पदार्पण किया।

गौरा–लीला की सभी पवित्र लीलास्थलियों पर यात्रा के दौरान



and the best of all oceans of sweetness."

The annual Navadvipa Mandal Parikrama commenced from 26th February. Devotees from all around the world visited the holy land of Navadvipa in large numbers. Some participated in the ecstatic Kirtan Mela. Kirtanyas from all around the world thronged Mayapur, to make their offerings to the Panch-Tattva and Sri Sri Radha Madhava.

While visiting all the sacred places of Gaura-lila, devotees took part in katha, kirtan and drama based on Mahaprabhu's life. Association with exalted devotees, mercy of the holy dhama and benefit of loving devotional service to Vaishnavas are some of the many opportunities provided by this parikrama.

The sweetest nectar of Gaur Katha (Mar 6 to Mar 10, 2020)

Like every year, ISKCON Punjabi Bagh organized a special series of lectures on the divine pastimes of Chaitanya Mahaprabhu on the occasion of Gaur Purnima. This year the katha series was extra special due to special guest speakers – H.H. Guru Prasad Swami Maharaja and H.G. Agnidev Prabhu, along with temple Co-President H.G. Rukmini Krishna prabhu and Vice-President H.G. Murli Krishna prabhu. All through the year devotees eagerly wait to hear divine loving pastimes of Mahaprabhu and His associates, from Chaitanya Bhagavata and Chaitanya Charitamrita. The devotees attended the sessions in large numbers and were totally immersed in katha and kirtan to build the right consciousness for celebrating Gaura Purnima.

When Mercy Pours from All Directions (Mar 8, 2020) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Three bhakti vriksha groups from the congregation assembled together to kick start the Gaura Purnima celebrations in a grand style. All the assembled members had brought their deities – Sri Sri Jagannath Baladev Subhadra and Sri Sri Gaura Nitai and organized a preappearance day festivity for the Lordships. The celebration started with an ecstatic kirtan celebrating the spirit of joy, as was done by the residents of Navadvipa on the appearance of Chaitanya Mahaprabhu. This was followed by 3 beautiful dramas organized by the members on the life and pastimes of Chaitanya Mahaprabhu and his intimate disciples. All the



भक्तों ने महाप्रभु के जीवन पर आधारित कथा, कीर्तन और नाटक में भाग लिया। अनन्य भक्तों का संग, पवित्र धाम की कृपा और वैष्णवों भक्तों की प्रेम मयि सेवा का लाभ इस परिक्रमा द्वारा प्रदान किए गए कई अवसर रहे।

🌳 गौर कथा का मधुरामृत (6 मार्च से 10 मार्च, 2020)

इस्कॉन पंजाबी बाग ने, हर वर्ष की भाँति, गौर पूर्णिमा के अवसर पर चौतन्य महाप्रभु की दिव्य लीलाओं पर विशेष प्रवचनों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। इस वर्ष विशेष अतिथि वक्ताओं — परमपूज्य गुरु प्रसाद स्वामी महाराज एवं श्रीमान अग्निदेव प्रभु के साथ ही मंदिर के सह—अध्यक्ष श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु और उपाध्यक्ष श्रीमान मुरली कृष्ण प्रभु के कारण यह कथा श्रृंखला अति विशिष्ट थी। पूरे वर्ष भर, भक्त लोग चौतन्य भागवत एवं चौतन्य चरितामृत से महाप्रभु और उनके सहयोगी पार्षदों की दिव्य प्रेमपूर्ण लीलाओं को सुनने हेतु उत्सुकता से प्रतीक्षा करते हैं। बड़ी संख्या में भक्त सत्र में शामिल हुए और गौर पूर्णिमा मनाने हेतु सही चेतना का निर्माण करने के लिए पूर्ण रूप से कथा एवं कीर्तन में डूब गए।

जब सभी दिशाओं से कृपा की बरसात हुई (8 मार्च, 2020) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

भक्त मण्डली में से तीन भक्ति व्रक्ष समूह ने एक साथ इकट्ठा होकर भव्य शैली में गौर पूर्णिमा समारोह शुरू किया। सभी एकत्रित सदस्य अपने—अपने विग्रह — श्री श्री जगन्नाथ बलदेव सुभद्रा एवं श्री श्री गौर—निताई जी को लेकर आए तथा भगवान् के लिए अवतरण—पूर्व समारोह का आयोजन किया गया। उत्सव की शुरुआत बड़े ही हर्षोल्लास की भावना में परम आनंद दायक कीर्तन के साथ हुई, जैसा कि चौतन्य महाप्रभु के प्राकट्य दिवस पर नवद्वीप के निवासियों द्वारा किया गया था। इसके बाद सदस्यों द्वारा चौतन्य महाप्रभु तथा उनके पार्षदों के जीवन एवं लीलाओं पर आधारित 3 सुंदर नाटक आयोजित किए गए। सभी नाटकों में एक अद्भुत उपदेश था — वैष्णव अपराध से बचना, परम करुणा अवतार भगवान की कृपा पर आश्रित रहना, तथा भक्ति के पथ पर सदा दृढ़ संकल्पित बने रहना।

इन प्रदर्शनों को देख सहसा ही भक्तों की सुखद अश्रुधारा बह निकली क्योंकि अभिनयकर्ताओं द्वारा भगवान के महावदान्याय रूप की मधुर लीलाओं का असीमित रूप से सुन्दर एवं भव्य मंचन किया गया था। नाटक के उपरान्त श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु जी के द्वारा प्रवचन किया गया और तदोपरांत केक काटा गया तथा सभी के लिए एक शानदार भोज प्रसादम भी हुआ ।

dramas contained a wonderful teaching – avoiding Vaishnav Aparadha, depending on mercy of the most merciful incarnation and determination in the path of devotional service. The performances left everyone in tears of joy as the actors so wonderfully displayed the sweet pastimes of the most munificent form of the Lord. The dramas were followed by Nectarian discourse by H.G. Rukmini Krishna prabhu. The lecture was followed by cake cutting and a wonderful feast prasadam for everyone

An evening dedicated to the Holynames (7 Mar 2020) (ISKCON, Punjabi Bagh)

The devotee community was very eager and elated in hosting H.G. Agnidev Prabhu for a special kirtan and discourse. Agnidev Prabhu is world famous for his energetic and heart touching kirtans which are loved by one and all. The devotees danced in joy to the melodious tunes of Hare Krishna mahamantra, the only hope for this age of Kaliyuga. The kirtan session left devotees highly nourished, happy and enthusiastic for the upcoming Gaura Purnima festival.

두 Gaura Purnima Festival (9th March)

Lord Chaitanya Mahaprabhu appeared on the purnima of the month of Phalgun. His transcendental appearance is celebrated as Gaur Purnima. One of the biggest festivals of Vaishnava tradition, it was marked with much spiritual fervour and festivity. Cultural programmes including dance recitals and theatrical productions depicting snippets from the life of Mahaprabhu, sublime kirtan, lectures and discourses are some of the highlights of the revelry. An abhishek of the Lord accompanied with soulful rendition of Holy name stole the heart of thousands who throng the temple, to take darshan of the most munificent Lord. Devotees observed a fast till dusk, immersed their consciousness into the bliss of the holy name, the propagation of which was one of the chief reasons for the appearance of Chaitanya Mahaprabhu. This is an excellent day to seek mercy from Gaurahari, the distributor of the love of Godhead.



पवित्र हरिनाम को समर्पित एक संध्या (7 मार्च 2020) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

उस दिन भक्त समुदाय एक विशेष कीर्तन एवं प्रवचन हेतु श्रीमान अग्निदेव प्रभु की मेजबानी करने को बहुत उत्सुक एवं उल्लासित था। श्रीमान अग्निदेव प्रभु अपने ऊर्जा से ओतप्रोत एवं इदयस्पर्शी कीर्तन जो सभी के द्वारा पसंद किये जाते हैं, के लिए जगत प्रसिद्ध हैं। कलयुग की एकमात्र आस हरे कृष्ण महामंत्र की मधुर धुनों पर श्रद्धालुओं ने प्रसन्नता पूर्वक नृत्य किया। इस कीर्तन सन्न ने आने वाले गौर पूर्णिमा उत्सव हेतु भक्तों को आध्यात्मिक रूप से अत्यधिक पोषण, प्रसन्नता एवं उत्साह प्रदान किया।



HG AGNIDEV PRABHU Saturday, 7th Mar 2020 | 7 PM - 9 PM

뺶 गौर पूर्णिमा महोत्सव (9 मार्च)

भगवान चौतन्य महाप्रभु फाल्गुन माह की पूर्णिमा को प्रकट हुए थे। उनका दिव्य प्राकट्य, गौर पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। वैष्णव परंपरा के सबसे बड़े त्योहारों में से एक, यह उत्सव बहुत उमंग एवं आध्यात्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। उत्कृष्ट कीर्तन, कथा, प्रवचन, ड्रामा, नृत्य—नाटिका, महाप्रभु, के जीवन से उनकी लीलांशों का चित्रण करती प्रस्तुतियाँ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि उत्सव के कुछ मुख्य आकर्षण रहे। पवित्र हरिनाम के मधुर आत्मीय कीर्तन के साथ महाप्रभु का अभिषेक उन हजारों लोगों का द्वदय चुरा लेता है जो मंदिर में सबसे उत्कृष्ट भुवन सुन्दर भगवान का दर्शन करने के लिए आते हैं। भक्तों ने शाम तक उपवास रख अपनी चेतना को पवित्र हरिनाम के आनंद में सराबोर किया, जिसका कि प्रचार—प्रसार चौतन्य महाप्रभु के प्राकट्य के प्रमुख कारणों में से एक था। कृष्ण प्रेम का वितरण करने वाले, भगवान् गौरहरि से दया पाने हेतु यह एक उत्तम दिन था।

Distributing Sri Chaitanya Charitamrita (9 Mar 2020) (ISKCON, Punjabi Bagh)

On the most special occasion of Gaura Purnima festival, few congregation devotees volunteered to sponsor 50% of the price for Chaitanya Charitmarita sets. Srila Prabhupada also wanted all ISKCON devotees to read this special storehouse of Gaura-lila, and he even took a break from translating Srimad-Bhagavatam to complete his translation and commentary to this divine scripture.

Healing the soul through Mantra and Music (15th Mar) (ISKCON, Dwarka)

15th March eve became an enthralling part of the day with enchanting Mantras and enlivening Music. In the divine shelter of holy name, it was really a healing experience for everyone present. The venue was filled with electrified audiences resonating with the transcendental sound vibration 'Hare Krishna Hare Krishna Krishna Krishna Krishna Hare Hare Hare Rama Hare Rama Rama Rama Hare Hare'.

"Failure - The Stepping Stone of Success" Seminar (15th Mar) (ISKCON, Dwarka)

IYF in its continuous endeavour to educate the modern youth organized a special seminar. The speaker for the program was HG Amogh Lila Prabhu. More than 100 youths attended the program. They were given some practical lessons from timeless Vedic Wisdom. The key message given was how to carry out our defined duties and dovetailing in Krishna's service. The program was followed by birthday celebration (participants who had birthday in MARCH), ecstatic Kirtan and sumptuous prasadam. The youth showed an eagerness for future IYF programs.



श्री चौतन्य चरितामृत का वितरण (9 मार्च 2020) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

गौर पूर्णिमा उत्सव के सबसे विशेष अवसर पर, मण्डली के कुछ भक्तों ने स्वेच्छा से चौतन्य चारित्रमिता के लिए 50: मूल्य निर्धारित किया। श्रील प्रभुपाद भी चाहते थे कि इस्कॉन के सभी भक्त गौर—लीला के इस भण्डार को विशेष रूप से पढ़ें, तथा उन्होंने इस दिव्य ग्रन्थ के अनुवाद एवं भाष्य को पूरा करने हेतु श्रीमद—भागवतम का अनुवाद करने से भी विराम लिया था ।

मंत्र एवं संगीत के माध्यम से आत्मा को स्वस्थ करना (15 मार्च)

(इस्कॉन, द्वारका)

15 मार्च की संध्या मंत्रों और जीवंत संगीत के माध्यम से दिन का एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला हिस्सा बन गई। पवित्र हरिनाम के दिव्य आश्रय में, वाकई, उपस्थित सभी लोगों के लिए यह एक पीड़ा हारी अनुभव जैसा था। यह स्थल दिव्य हरिनाम की तरंगों,.... हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे की धुन पर झुमते हुए दर्शकों से भर गया।



'असफलता — सफलता की सीढी का प्रथम सोपान'.. सेमिनार (15–मार्च) (इस्कॉन, द्वारका)

आई वाई एफ ने आधुनिक युवाओं को शिक्षित करने के अपने सतत प्रयास में एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम के वक्ता श्रीमान अमोघ लीला प्रभु रहे। कार्यक्रम में 100 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। कालातीत वैदिक ज्ञान से युवाओं को कुछ व्यावहारिक सबक दिए गए। दिया गया मुख्य संदेश यह था कि कृष्ण की सेवा को किस प्रकार किया जाए तथा हमारे परिभाषित दायित्वों को कैसे पूरा किया जाए? कार्यक्रम के उपरांत जन्मदिवस (जिन प्रतिभागियों का मार्च में जन्मदिन था) का उत्सव, परमानंद दायक कीर्तन और शानदार प्रसादम भी हुआ। युवाओं ने भविष्य के प्ल्थ् कार्यक्रमों के लिए उत्सुकता दिखाई।



두 Rama Navami (2nd April)

Due to the ongoing Covid-19 threat, all public festivals at Sri Sri Radha Parthasarathi Temple have been suspended, till further notice. The temple has been closed to visitors and tourists from March 18, 2020.

The Rama Navami festivities have also been called off. This year there will be no Shobha Yatra, cultural festival and Rama Katha. The abhishek of Their Lordships will be conducted in all three altars in a private ceremony. The Rama Navami abhishek is special as it is also the anniversary of the inauguration of the temple. General public will not be allowed within the precincts of the temple.



🌴 Beginning of Tulasi jala Dana (14th April)

Serving a pure devotee of the Lord, is the best way to attract mercy of the Lord, which can take one ahead on the spiritual path. Tulasi Maharani is the dear most devotee of Krishna. She is served by offering water in the month of Jyestha. For an entire month, devotees celebrate this festival, in awe and reverence of one of the expert servitors of the Lord. By the mercy of Srimati Tulasi Maharani, one can perfect one's devotional service and attain the goal of human life.

🌳 Aksaya Tritiya - Candana Yatra starts (26th April)

Aksaya Tritiya is an auspicious day which, as the name suggests, is to increase your spiritual credit manifold. Although, people in India, buy gold and precious stones on this day, Vaishnavas commemorate this potent day by chanting and hearing about the pastimes of the Lord.

This day also marks the beginning of Candana yatra, the journey undertaken by the great acharya of Vaishnava sampradaya, Madhavendra Puri. In order to bring candana from Puri for his beloved Gopal deity, Madhavendra Puri set out from Vrindavana. Devotees offer candana to the Lord in order to provide Him comfort from the scorching heat. Hundreds of devotees visit the temple to take part in the service of making this candana paste for the Lord. The story



🌳 राम नवमी (2 अप्रैल)

सुचारु कोविड – 19 खतरे के कारण, श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर के सभी सार्वजनिक उत्सवों को अगले सूचना तक निलंबित कर दिया गया है। यह मंदिर 18 मार्च, 2020 से आगंतुकों और पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है।

रामनवमी उत्सव को भी निरस्त किया गया है। इस वर्ष कोई शोभा यात्रा, सांस्कृतिक उत्सव और राम कथा नहीं होगी। एक निजी समारोह में सभी तीनों वेदियों में श्री भगवान का अभिषेक किया जाएगा। राम नवमी अभिषेक विशेष है क्योंकि यह मंदिर के उद्घाटन की सालगिरह भी है। मंदिर के परिसर के भीतर आम जनता को अनुमति नहीं दी जाएगी।

뺶 तुलसी जलदान की शुरुआत (14 अप्रैल)

भगवान के शुद्ध भक्त की सेवा करना, भगवान की दया को आकर्षित करने का सबसे अच्छा तरीका है, जो आध्यात्मिक मार्ग पर किसी को भी आगे बढ़ा सकता है। तुलसी महारानी कृष्ण की सबसे प्रिय भक्त हैं। ज्येष्ठ के महीने में उन्हें जल अर्पित किया जाता है। पूरे एक महीने के लिए, भक्त इस त्यौहार को, भगवान की विशेष कृपा पात्र भक्त तुलजी जी के आदर और समान में श्रद्धा के साथ मनाते हैं। श्रीमति तुलसी महारानी की दया से व्यक्ति भक्ति कर सकता है और मानव जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।





of Madhavendra Puri and how he attained the favour of Kshirachora Gopinath is inspirational for those who wish to attain perfection of human life by offering pure devotional service to the Lord.

🌳 अक्षय तृतीया – चन्दन यात्रा प्रारम्भ (26 अप्रैल)

अक्षय तृतीया एक शुभ दिन है, जैसा कि नाम से ही विदित है, यह आपके आध्यात्मिक कोष को कई गुना बढ़ाता है। यद्यपि, भारत में लोग इस दिन सोना एवं कीमती रत्न खरीदते हैं, किन्तु वैष्णव भक्त इस फलप्रद दिन भगवान् के नाम का जाप करते हैं एवं उनकी लीलाओं को सुनकर भगवान् का स्मरण करते हैं। यह दिन चन्दन यात्रा की शुरुआत का भी प्रतीक है, जो वैष्णव संप्रदाय के महान आचार्य श्रीमान—माधवेंद्रपुरी जी के द्वारा शुरू की गई यात्रा थी। अपने प्रिय गोपाल विग्रह के लिए चन्दन लाने हेतु, श्री माधवेंद्रपुरी जी वृंदावन से बाहर पुरी की ओर निकले। इस समय चिलचिलाती गर्मी से राहत दिलाने को भक्तजन, भगवान् को चंदन लगाते हैं। भगवान के लिए इस चन्दन लेप को बनाने की सेवा में भाग लेने को सैकड़ों भक्त मंदिर आते हैं। माधवेंद्रपुरीजी की कथा एवं उन्होंने खीरचौरा गोपीनाथ जी की कृपा कैसे प्राप्त की, यह उन लोगों के लिए प्रेरणादायी है जो भगवान की शुद्ध भक्ति करके मानव जीवन की पूर्णता प्राप्त करना चाहते हैं।

KARUNA AT THE TIME OF CORONA

ISKCON Delhi steps up efforts to help poor residents with warm healthy meals

New Delhi ISNCON Delhi is a non-profit organization and has stepped up efforts to help cat local vulnerable sections of the population with wholescene food. ISNCON kitchen is taking all the prerations as per Health Ministry guidelines to prepare food in their kitchen. The food shall be prepared in the most effective, efficient and hyglenic manuer in compliance with all the set regulations during COVIDus situation. They are undertaking the operations with an unwavering intertion to provide timely, healthy meals with focus on combining nutrition with hygiene.

ISKCON authority, Shrila Gopal Krishna Gowami Maharaj said he had received the message that Prime Minister Shri Narendra Modi has urged people to help 9 poor families for the next 21 days, and our Chief Minister announced too to feed the homeless amidst the lockdown. Remembering the message of



his preceptor, Founder Achraya of ISKCON Shrika Prabhipoda that "no cos should go hungry", and in keeping up with the request of government, he directed ISKCON Delhi to "immediately arrange to distribute warm full meals of Krishin Prasdam". Pradyunna Priya Das, ISKCON Delhi and Mid Day

Prasadam". Pradyumaa Priya Das, ISKCON Delhi and Mid Day Meal chairmas usys, "Our government authorities are working industriously to save the country from the dal Group, Skunal Goyal ji; rapid outbreak of the virus. He continues, "Our aim is tasse efforts are aided by Gautam Adami ji; Adami group, Skunal Goyal ji; rapid outbreak of the virus. Motivational Speaker, an other contributors from vaied classes. At this extraor dinary time, the vendors at giving free of charge servic es and even the rickshap pullers have refused to as cept the momey for the services. The emine nation so moved and is together i this fight. People are callin us to donate raw matteri and making contribution so that we can serve mon hungry bellies and redat the stress of food and its related four of illnesses?





ISKCON Dwarka Delhi rises to the challenge during the current outbreak. With the permission of the state government, it shall be feeding 60,000 full meals prasadam daily in the morning and evening. To help and support, please visit:

http://bit.ly/2MfQkBi PAYTM: 8527405353 *Donation through online transfer: Bank Name- IDBI Bank Account Name- ISKCON Account Number: 0191104000258487 IFSC Code- IBKL0000191

GLORIES OF SRI

Control States and St

"There is no difference between His form, His name, His pastimes, and Himself. He's absolute. Therefore either you chant the holy name of Rama or you see the statue of Rama or you talk of His pastimes, transcendental pastimes, everything, that means you are associating with the Supreme Personality of Godhead. So we take advantage of these days when the incarnation of God appears or disappears, and we try to associate with Him. By His association we become purified. Our process is purification. Krishna consciousness means simply we are purifying our consciousness."

Thus by associating with Lord Rama on His appearance day through hearing and speaking about His pastimes, chanting His holy name, and seeing His Deity form, Vaishnavas can become purified and further develop their love for the Lord.

When the Lord appears as Krishna, He descends in His original form as the enjoyer, and through His sweet pastimes captures the hearts of His devotees. However, many of Lord Krishna's pastimes are confusing for ordinary persons because He acts in ways that ordinary persons should not. Lord Ramachandra appears in a different mood; in this incarnation, the Lord's activities are such that ordinary and materialistic persons cannot find fault with Him. Rama sets an example of the perfect king, husband, son, friend, and master.



Without complaint, Lord Rama obeyed His father's command to abdicate the throne on the eve of His coronation and go to live in the forest in exile for fourteen years. He was always dutiful in every way. Once upon the throne, He acted as an ideal king and due to His good governance, everyone experienced happiness. A citizen once came to Lord Rama to complain because his son had died at a young age; this demonstrates how idyllic the kingdom was under the rule of Lord Rama – the death of a son before the death of the father was at that time so unusual that it was worthy of complaint to the king Himself.



Although Lord Rama was certainly the ideal king, Srila Prabhupada explains that we do not worship Him for this reason. Srila Prabhupada states: "Maharaja Yudhisthira was also as good as Ramachandra, and Maharaja Pariksit was as good. There were many such kings. But we are not concerned because He was a king. He is the King of all kings, paramesvara. Because He is God, therefore we are observing today." (Rama-navami Lecture – 27 March 1969, Hawaii)

Lord Ramachandra exhibits all of the opulences of the Lord in full. He has limitless strength, wealth, fame, beauty, knowledge, and renunciation, and all of these He demonstrated in His pastimes. He was so renounced that although He was the most beloved crown prince of Ayodhya, and the ideal future king, he renounced everything without hesitation for a life of austerity in the forest.

However, although Lord Rama is completely renounced, another important lesson to learn from His pastimes is what happens if someone other than the Lord attempts to enjoy the energy of the Lord. Lord Rama was completely renounced, but when the demon Ravana kidnapped Rama's wife Sitadevi, wanting to enjoy Her, Lord Rama completely destroyed him.

> ram<mark>aya rama-bhadra</mark>ya ramacandraya medhaşe raghunathaya nathaya sitayai pataye namah

RAMACHANDRA



"I offer my respectful obeisances unto Lord Ramachandra, who is all-auspicious, the Lord of the Raghu Dynasty and the husband of Sitadevi."

Srila Prabhupada explains: "Sita is Laksmiji, or the goddess of fortune, but she is never to be enjoyed by any living being. She is meant to be worshiped by the living being along with her husband, Sri Ramachandra. A materialistic man like Ravana does not understand this great truth, but on the contrary he wants to snatch Sitadevi from the custody of Rama and thus incurs great miseries. The materialists, who are after opulence and material prosperity, may take lessons from the Ramayana that the policy of exploiting the nature of the Lord without acknowledging the supremacy of the Lord is the policy of Ravana. Ravana was very advanced materially, so much so that he turned his kingdom, Lanka, into pure gold, or full material wealth. But because he did not recognize the supremacy of Lord Ramachandra and defied Him by stealing His wife, Sita, Ravana was killed, and all his opulence and power were destroyed." (Rama-navami Lecture – 27 March 1969, Hawaii)

However much opulence a person may possess, any attempt to exploit the Lord's potency will result in suffering. Ravana's attempt to exploit Sitadevi is an extreme example, but this principle applies to the ever-present and more subtle desire to enjoy and exploit the Lord's creation in all of its manifestations. Thus, the pastimes enacted by Lord Rama teach that success can only be achieved in service to the Lord and never through attempts to enjoy the Lord's energy.



'Environmental Sustainability Through Simple Life Style: Broken or Unbroken Link' Talk by Prof. Ramesh Goel (Ras Vilasa Das) (Institute of Science and Spirituality)

The seminar was hosted at the lecture hall complex (L1-2) of IIT Delhi on 24th February 2020 from 4:30 pm-6 pm. The initiative for the conference was taken by IIT students and faculty members interested in Environmental Sustainability through science and spirituality. The seminar was attended by nearly 100 people.

The seminar started with a welcome by Mr. Sumit Balguvhar, representative coordinator of the student community. Thereafter Prof. Suresh Bhalla gave a brief introduction of the speaker, Prof. Ramesh Goel from civil and environmental engineering department, University of Utah (USA). Prof. Goel gave a highly appraised talk on the topic "Environmental Sustainability through simple life style: broken or unbroken link ". Prof. Goel started his talk by describing environment and its various components. He brought forth the point that the nature is very systematic and there is perfection in the creator's work by citing a few technical examples. He mentioned how a drastic negative change in the earth's environment has occurred over the past 1500 years. He very eruditely brought out the various problems plaguing our planet earth varying from drought, global warming, floods and non-biodegradable waste. According to him, the problem of water scarcity is very much linked to the amount of meat consumption. Gallons of water are wasted for meat processing and production. He related these problems to the complexity in our life styles and provided reference of the Bhagvad Gita wherein a regulated lifestyle which reduces excessive exploitation of the resources on our planet earth has been advocated. He enumerated some real life solutions to these problems by narrating the lifestyle of our ancestors in villages. He said that the concept of rain water harvesting in villages was always present in the Indian culture in the form of small ponds nearby the houses in villages or by water storage in barks of trees.

Finally he advised that following a spiritual and simple life by connecting to the supreme creator can lead to a more sustainable environment because then we realize that the resources which are at our disposal belong to the supreme and hence should not be misused. He said that there is no overnight solution to our environmental problems as moving to Vedic way of life from the current urban civilization is not practical. Thus, basic attitude changes like not using plastic bottles, travelling by bicycle whenever possible, living in a two -bedroom house instead of a bungalow and moving to vegetarian eating habits can have a gradual positive impact on the environment.

The seminar ended with a vote of thanks by Prof. Suresh Bhalla to the speaker and the organizing team. Students attending the seminar expressed interest in further continuing the initiative. They resolved to form a Science, Spirituality and Sustainability Club (S3 Club) to organize more talks and practical activities on this front.

'सरल जीवन शैली के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरताः सम्बद्ध अथवा विघटित श्रंखला' प्रो. रमेश गोयल जी (रास विलास दास) द्वाराः एक वार्ता

सेमिनार 24 फरवरी 2020 को शाम 4:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक IIT दिल्ली के लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स (L1–2) में आयोजित किया गया। सम्मेलन की पहल IIT के छात्रों एवं संकाय सदस्यों ने विज्ञान तथा आध्यात्मिकता के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता में रुचि रखते हुए की थी। सेमिनार में लगभग 100 लोगों ने भाग लिया।

संगोष्ठी की शुरुआत छात्र समुदाय के प्रतिनिधि समन्वयक श्री सुमित भार्गव जी के स्वागत से हुई। इसके बाद प्रो. सुरेश भल्ला जी ने सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ उटाह (अमरीका) से स्पीकर प्रो.रमेश गोयल का संक्षिप्त परिचय दिया। प्रो.गोयल ने 'सरल जीवन शैली के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरताः सम्बद्ध अथवा विघटित श्रंखला' विषय पर एक अत्यधिक मूल्यवान बात कही। प्रो. गोयल ने पर्यावरण और इसके विभिन्न घटकों का वर्णन करके अपनी बात शुरू की। उन्होंने कुछ तकनीकी उदाहरणों का संदर्भ देकर कहा कि प्रकृति बहुत व्यवस्थित है और निर्माता के कार्य में पूर्णता है। उन्होंने उल्लेख किया कि पिछले 1500 वर्षों में पृथ्वी के पर्यावरण में कितना भीषण नकारात्मक परिवर्तन हुआ है। उन्होंने बड़े वैज्ञानिक आधार पर हमारे ग्रह पृथ्वी को सूखा, ग्लोबल–वार्मिंग, बाढ और गैर-जैविक-अवक्रमणीय कचरे आदि विभिन्न समस्याओं से विलग करने वाला सुझाव सामने रखा। उनके अनुसार, पानी की कमी वाली समस्या बहुत हद तक मांस की खपत से जुड़ी है। मांस के उत्पादन एवं प्रसंस्करण हेतू गैलनो पानी बर्बाद होता है। उन्होंने इन समस्याओं को हमारी वर्तमान जीवन-शैली की जटिलताओं से सम्बद्ध किया और श्रीमद भगवत गीता का संदर्भ प्रदान किया जिसमें एक विनियमित जीवन शैली का परामर्श विद्धमान है जो हमारे ग्रह पृथ्वी पर संसाधनों के अत्यधिक शोषण को कम करता है। उन्होंने गाँवों में हमारे पूर्वजों की जीवन शैली को वर्णित कर जीवन की इन समस्याओं के कुछ वास्तविक समाधानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गांवों में वर्षा जल संचयन की अवधारणा, गांवों में घरों के आसपास के छोटे तालाबों के रूप में या पेड़ों की छालों में जल संग्रहण द्वारा भारतीय संस्कृति में हमेशा से विद्धमान थी।

और अंत में उन्होंने सलाह दी कि सर्वोच्च रचनाकार से जुड़कर एक आध्यात्मिक एवं सरल जीवन का पालन करने से अधिक स्थायी वातावरण बन सकता है क्योंकि तब हमें पता चलता है कि जो भी संसाधन हमारे अधिकार क्षेत्र में हैं, वे परम भगवान् के हैं, अतः उनका दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी पर्यावरण ीय समस्याओं का रातोंरात कोई समाधान संभव नहीं है क्योंकि वर्तामान शहरी सभ्यता से तुरंत वैदिक जीवन में प्रवेश व्यावहारिक नहीं है। अतः प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग नहीं करना, जब भी संभव हो, साइकिल से यात्रा करना, बंगले के बजाय दो बेडरूम के घर में रहना और शाकाहारी खाने की आदतों पर चलना आदि जैसे उपाय पर्यावरण पर धीरे–धीरे सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इस प्रकार बुनियादी रवैया बदलता है।

सेमिनार का समापन प्रोफेसर सुरेश भल्ला द्वारा स्पीकर और आयोजक टीम को धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। सेमिनार में भाग लेने वाले छात्रों ने इस पहल को आगे जारी रखने में रुचि व्यक्त की। उन्होंने इस मोर्चे पर अधिक बातचीत और व्यावहारिक गतिविधियों को व्यवस्थित करने हेतु एक विज्ञान, आध्यात्मिकता और स्थिरता क्लब (S-3 क्लब) बनाने कि संस्तुति कर साथ ही इसका संकल्प भी लिया।

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi Chirag Delhi, New Delhi-110017 Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885 Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village Okhla, Phase – I, New Delhi-110020 Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934 Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir (Panghat wala), Gurudwara Road Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003 Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999 Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road (Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062 Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160 Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement) Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014 Contact at: 9811281521, 011-26348371

Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091

Contact at: 9810114041, 9958680942 Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir 1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri, New Delhi-110065 Contact at: 9711120128, 9654537632

Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika

Sangam Vihar, New Delhi-110080 Contact at: 9212495394, 9810438870 Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation) Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station, New Delhi -110001 Every Wednesday 1PM -2 PM Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt. C ph.2 Mayur Vihar Every Saturday 5.30 - 7.30 PM Contact ~ 9971999506 & 9717647134 Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park, Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023 Every Monday 6 PM to 8 PM Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003 Every Saturday 5 PM to 7 PM Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram, New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market, New Delhi – 110001 Every Saturday 5 PM to 7 PM Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road, Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MADIR

New Colony, Gurugram, Every Saturday-6:30 to 8:30PM Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam



Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vigraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg, West Punjabi Bagh, Delhi-26 Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwaka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075 Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/ Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road, Badshahpur, Gurugram Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan, C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad, Phone : 0129-4145231 Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh, Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799 Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road, Sector-25, Rohini New Delhi 110085 Phone: +91-9871276969 Email: iskcon.rohini@gmail.com ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham, Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park), Gurugram, Haryana 122001 Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg, Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002 Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola, Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074 Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School, Sector-45, Gurugram, Haryana-122003 Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342 Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat, Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006 Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5, Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar Pradesh-201301 Phone: 095604 76959

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at delhinews108@gmail.com

